

चक्रवर्ती शजगोपालाचार्य की महाभारत कथा का संक्षिप्त २०प कक्षा ७ के लिए हिंदी की पूरक पाठ्यपुरतक



0751



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण

अप्रैल २००७ वैशाख १९२९

पुनर्मुद्रण

अक्तूबर 2007 अश्विन 1929 दिसंबर 2008 पौष 1930 दिसंबर 2009 पौष 1931 नवंबर 2010 अग्रहायण 1932 जनवरी 2012 माघ 1933 अक्तूबर 2012 अश्विन 1934 अक्तूबर 2013 अश्विन 1935 दिसंबर 2014 पौष 1936 दिसंबर 2016 पौष 1938 दिसंबर 2017 पौष 1939 दिसंबर 2018 अग्रहायण 1940

PD 460T RPS

अगस्त 2019 श्रावण 1941

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, 2007

₹ **55.00**

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरिवंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा सीता फ़ाइन आर्ट्स (प्रा.) लि., ए-16, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़-II, नयी दिल्ली-110 028 द्वारा मुद्रित।

ISBN 81-7450-730-2

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमित के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धित द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित हैं।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मुल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस श्री अरविंद मार्ग

नयी दिल्ली 110 016

फोन: 011-26562708

108, 100 फीट रोड हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे बनाशंकरी III इस्टेज

बैंगलूरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन डाकघर नवजीवन

अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस

निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी

कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स मालीगांव

गुवाहाटी 781021

फोन: 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग

: एम. सिराज अनवर

मुख्य संपादक

: श्वेता उप्पल

मुख्य उत्पादन अधिकारी

: अरुण चितकारा

मुख्य व्यापार प्रबंधक

: बिबाष कुमार दास

संपादक

: मीरा कांत

उत्पादन सहायक

: ओम प्रकाश

आवरण, सज्जा एवं चित्रांकन जोएल गिल



आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास हैं। इस प्रयास में हर विषय को एक मजबूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का कितना अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आजादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है, जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन

के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार एवं विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण सिमित के पिरश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। पिरषद् भाषा सलाहकार सिमित के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर नामवर सिंह और इस पुस्तक के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं, जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी सिमित (मॉनिटरिंग कमेटी) द्वारा नामित श्री अशोक वाजपेयी को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

नयी दिल्ली 20 नवंबर 2006 *निदेशक* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्



पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, भाषा सलाहकार समिति

नामवर सिंह, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय भाषा केंद्र, जे.एन.यू., नयी दिल्ली

मुख्य सलाहकार

पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रो.फ़ेसर, भारतीय भाषा केंद्र, जे.एन.यू., नयी दिल्ली

मुख्य समन्वयक एवं संपादक

रामजन्म शर्मा, प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, भाषा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

अनुवादक

पू. सोमसुंदरम्

सदस्य

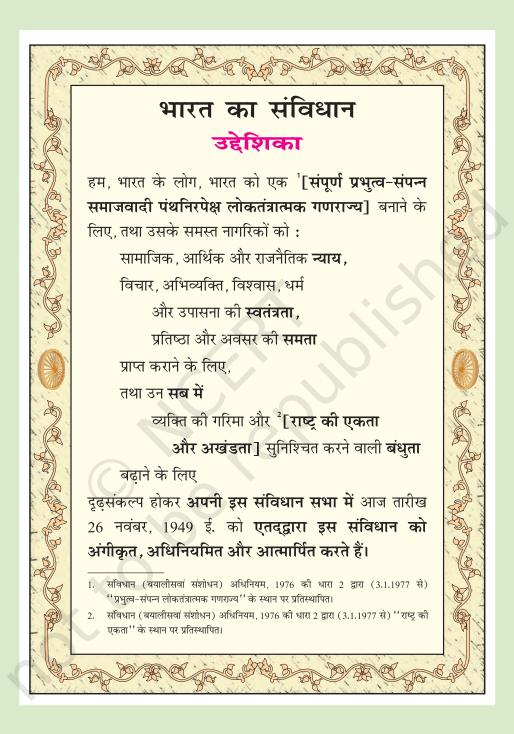
अक्षय दीक्षित, *हिंदी शिक्षक*, निगम सरकारी विद्यालय, राजपुर, नयी दिल्ली नूतन झा, अध्यापिका, मीरांबिका स्कूल, नयी दिल्ली प्रेमपाल शर्मा, लेखक, 96 कला विहार अपार्टमेंट्स, मयूर विहार, नयी दिल्ली रामचंद्र, प्रवक्ता, भारतीय भाषा केंद्र, जे.एन.यू., नयी दिल्ली

सदस्य-समन्वयक एवं संपादक

संजय कुमार सुमन, *विरष्ठ प्रवक्ता*, भाषा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली नरेश कोहली, *प्रवक्ता*, भाषा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

आभार

इस पुस्तक के विद्यार्थी संस्करण हेतु सर्वाधिकार देने के लिए परिषद् सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, नयी दिल्ली का हार्दिक आभार व्यक्त करती है। पुस्तक के निर्माण में तकनीकी सहयोग के लिए परिषद् कंप्यूटर स्टेशन (भाषा विभाग) के प्रभारी परशराम कौशिक; डी.टी.पी. ऑपरेटर कमल कुमार, अर्विद शर्मा एवं सरिता किमोठी; कॉपी एडीटर सुप्रिया गुप्ता और प्रूफ़ रीडर कंचन शर्मा, दुर्गा देवी एवं शिश देवी की भी आभारी है।





आमुख ... iii

महाभारत कथा ... 1

देवव्रत ... 3

भीष्म-प्रतिज्ञा ... 5

अंबा और भीष्म ... 7

विदुर ... 9

कुंती ... 10

भीम ... 11

कर्ण ... 13

द्रोणाचार्य ... 16

लाख का घर ... 19

पांडवों की रक्षा ... 21

द्रौपदी-स्वयंवर ... 28

इंद्रप्रस्थ ... 30

जरासंध ... 32

शकुनि का प्रवेश ... 35

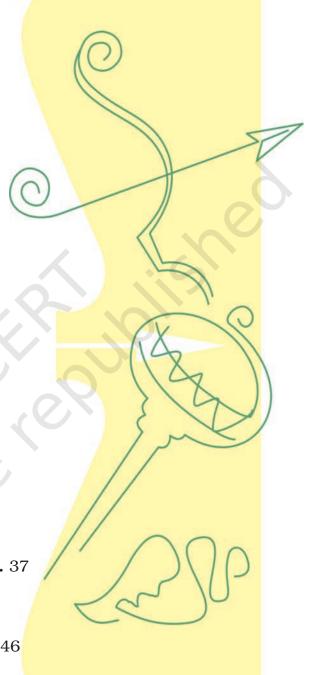
चौसर का खेल व द्रौपदी की व्यथा ... 37

धृतराष्ट्र की चिंता ... 43

भीम और हनुमान ... 45

द्वेष करनेवाले का जी नहीं भरता ... 46

मायावी सरोवर ... 48



यक्ष-प्रश्न ... 49 अज्ञातवास ... 52 प्रतिज्ञा-पूर्ति ... 55 विराट का भ्रम ... 56 मंत्रणा ... 58 राजदूत संजय ... 62 शांतिदूत श्रीकृष्ण ... 65 पांडवों और कौरवों के सेनापित ... 68 पहला, दुसरा और तीसरा दिन ... 71 चौथा, पाँचवाँ और छठा दिन ... 73 सातवाँ. आठवाँ और नवाँ दिन ... 73 भीष्म शर-शय्या पर ... 75 बारहवाँ दिन ... 78 अभिमन्यु ... 79 युधिष्ठिर की चिंता और कामना ... 83 भूरिश्रवा, जयद्रथ और आचार्य द्रोण का अंत ... 86 कर्ण और दुर्योधन भी मारे गए ... 88 अश्वत्थामा ... 91 युधिष्ठिर की वेदना ... 92 पांडवों का धृतराष्ट्र के प्रति व्यवहार ... 94 श्रीकृष्ण और युधिष्ठिर ... 96 प्रश्न-अभ्यास ... 97